दर दर ना भटका सावरे | by Lucky Sharma

दर दर ना भटका सांवरे दर दर ना भटका
पार लगादो नैया मेरी बीच भवर अटका
दर दर ना भटका सांवरे.....,,,,

भाई बंधू कुटुंब कबीले देख लिए मैंने सारे
वो क्या मुझको देंगे सहारा जो किस्मत के मारे
जिसका हाथ पकड़ना चाहा उसने ही झटका
दर दर ना भटका सांवरे.....,,,,

जिस जिस दर मैंने हाथ बढ़ाया सबने ही ठुकराया
इसलिए सब छोड़ ज़माना तेरे दर पे आया
जिससे आस लगाई मैंने आँखों में खटका
दर दर ना भटका सांवरे.....,,,,

तुम हो जगत के मालिक बाबा तुमसे क्या शर्माना
बाबा ऐसी करो कृपा जो देखे सारा ज़माना
कहे मनीष निकालो फंदा गले मेरे अटका
दर दर ना भटका सांवरे.....,,,,

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a6%e0%a4%b0-%e0%a4%a6%e0%a4%b0-%e0%a4%a8%e0%a4%be-%e0%a4%ad%e0%a4%9f%e0%a4%95%e0%a4%be-%e0%a4%b8%e0%a4%be%e0%a4%b5%e0%a4%b0%e0%a5%87-by-lucky-sharma/